मानसश्री गोपाल राजू की पुस्तक

"तंत्र मंत्र और टोटके"

का मूल सार-संक्षेप

समस्या निवारक अद्भुत उपाय

अद्भुत इसलिए कि इससे पूर्व न तो इस प्रकार के उपाय कहीं देखने सुनने को मिले और दूसरे अविश्वसनीय सरल से उपक्रम द्वारा शक्तिशाली बम से भी अधिक प्रभावशाली और त्वरित प्रभाव।

रुड़की में रुड़की सिनेमा हाल के पास रामपाल की तीन दुकानें हैं। उसका मुझसे विशेष स्नेह है। जीवन का छोटा-बड़ा कोई भी निर्णय वह मेरी सलाह के बगैर नहीं लेता। उसको तंत्र-मंत्रादि में खूब रुची है। जिज्ञासु स्वभाव और अपने विभिन्न कार्यों को पूरा करने के लिए वह नए-नए तांत्रिक, मांत्रिक, फ़कीर, ओझाओं आदि से मिलने को सदैव तत्पर रहता है। उसको सौभाग्य से इस क्षेत्र से संबद्ध लोग प्रायः मिलते भी रहते हैं।

एक दिन बरसात भरी शाम को मैं उसकी दुकान पर बैठा वर्षा रुकने की प्रतिक्षा कर रहा था। अकस्मात् दिल्ली से आ रही एक आलीशान गाड़ी से उतर कर एक रईस भद्र पुरुष दुकान में आए। सफेद लम्बी दाढ़ी, सलीके से पहने हुए मंहगें वस्त्र, हाथों की आठों उंगलियों में रत्न-उपरत्न जड़ित सोने की बड़ी-बड़ी अंगूठीयॉं, हाथ में चांदी की पान की डिबिया, रत्न जड़ित मूठ वाली मंहगीं सी दाए हाथ में छड़ी आदि उनके व्यक्तित्व को और भी अधिक धनाड्य बना रही थीं। बातों से लगा कि वह कलियर शरीफ जा रहे थे। रामपाल की दुकान पर आते-जाते सामान लेने के लिए वह प्रायः रुक जाते थे। असाधारण प्रतिभा वाले वह भद्र पुरुष तंत्र विषयक ज्ञान के मुझे भंडार लगे। अल्प समय में ही मेरा उनसे परिचय हो गया। 80-90 वर्ष की अवस्था में भी उनकी स्फूर्ति युवकों सी और स्वभाव बिल्कुल अबोध बच्चों सा लगता था। मेरी तरह वह भी पदार्थ तंत्र पर जनहितार्थ सरलतम् उपाय करवाते थे। मेरे बाल सुलभ हट के कारण एक अद्भुत परन्तु उतना ही सरलतम् उपाय उन्होंने बताया। जीवन में व्यवहार में लाने के बाद पता चला कि यह तो वास्तव में एक शक्तिशाली उपाय है। पाठकों के लाभार्थ वह उपाय लिख रहा हूँ, अपनी बुद्धि और विवेक से लाभ उठाएं। ये ध्यान अवश्य रखें कि स्वार्थवश अथवा अनहित की भावना से किए गये उपाय द्वारा आपकी अपनी ही हानि हो सकती है।

अपने घर के कमरे में कोई एक ऐसी दीवार चुनें जहां कोई फोटो, कलॅण्डर, पोस्टर आदि न लगा हो। उस दीवार पर कोई कील आदि भी पहले से न लगी हो। ऐसी किसी दीवार पर किसी गुरुवार को बराबर-बराबर दो कीलें लगाकर ताजे फूलों की दो मालाएं टांग दें। कमरे में सुगन्ध व्याप्त रहे, इसकी व्यवस्था पूर्व में करके रख लें। मालाओं के सामने अपनी सुविधानुसार बैठ जाए अथवा खड़े रहें। पहली माला पर अब अपना पूरा ध्यान केंन्द्रित करें। जब सब ओर

से आपका मन हट जाए तब केवल एक प्रश्न विशेष अपनी किसी भी विकट, कष्टकारी अथवा अनसुलझी समस्या का बना लें। तीन बार माला पर ही ध्यान केन्द्रित करते हुए 'जय सच्चा फ़कीर' बोलें और तीन ही बार अपनी समस्या विशेष दीन-हीन बन कर दौहराएं इसी प्रकार अब दूसरी माला पर ध्यान केन्द्रित करें। तीन बार बोलें 'जय बाबा मख़दूम अली' और तीन बार ही अपनी समस्या पुनः दोहराएं। समस्या समाधान हेतु सात गुरुवार यह उपाय दोहराते रहें। परिणाम मिलने में यदि विलम्ब लगे तो सात गुरुवार को यह उपाय पुनः दोहरा दें। उपाय को अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए उन सज्जन ने बंपर जलाने पर विशेष बल दिया। आप भी अपने उपाय में इसे करके चमत्कारी रुप से लाभ उठा सकते हैं।

5, 7, 9 अथवा 11 की संख्या में तीन अगरबत्तियां लें। रुई में शुद्ध घी मिलाकर इन अगरबत्तियां पर चिपका लें। अगरबत्तियों को इन मालाओं के सामने जला कर तीन बार अपनी समस्या को पुनः दोहराएं। बत्तियों की लौं बनने दें। माला से ध्यान हटा कर जलती हुई अगरबत्तियों पर केन्द्रित कर लें। उस व्यक्ति की छवि अगरबत्तियों की लौं में अनुभव करें जिससे आपका कार्य सिद्ध होना है, जो आपके कार्य में व्यवधान उत्पन्न कर रहा है, जो आपका धन नहीं लौटा रहा है, जिससे आप विवाह करना चाहते हैं अथवा जिससे आप हताश हो कर अपना पीछा छुड़ाना चाहते हैं आदि। जितने लंबे समय तक आप सुविधा पूर्वक ध्यान लौ पर केन्द्रित कर लेंगे, उतने त्वरित रुप से आपका कार्य सिद्ध होने की संभावना बलबती होती जाएगी। ये उपाय मात्र सात गुरुवार में ही करना है। 'बाबा सच्चा फ़कीर' आपकी इच्छा अवश्य ही पूर्ण करेंगे।

Gopal Raj